भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †479

सोमवार, 24 जुलाई, 2023/2 श्रावण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

आध्यात्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन

†479. प्रो. अच्युतानंद सामंत:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा देश में विशेषकर ओडिशा में आध्यात्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ख) ओडिशा में विभिन्न आध्यात्मिक पर्यटन परियोजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए कितनी धनराशि आबंटित की गई है;

(ग) ओडिशा में प्राप्त और स्वीकृत आध्यात्मिक पर्यटन परियोजनाओं/प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान आध्यात्मिक पर्यटन के माध्यम से सृजित राजस्व का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय अन्य बातों के साथ-साथ ओडिशा सहित भारत का एक समग्र पर्यटन गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है। साथ ही, आध्यात्मिक पर्यटन सहित विभिन्न पर्यटन उत्पादों और थीमों को हाइलाइट करने के लिए भी संवर्धन कार्य किए जाते हैं। इसके अलावा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट के साथ-साथ सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से भी पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार किया जाता है।

(ख) और (ग): चिह्नित तीर्थ स्थलों के समेकित विकास के उद्देश्य से पर्यटन मंत्रालय 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन' योजना के अंतर्गत पूर्व चिह्नित धार्मिक/विरासत स्थलों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए ओडिशा सहित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता स्वीकृत करता है। धार्मिक/तीर्थ

पर्यटन गंतव्यों का विकास और अनुरक्षण प्रमुख रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। प्रशाद योजना के अंतर्गत ओडिशा में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि रु. में	स्थिति
01	पुरी, श्री जगन्नाथधाम - रामचंडी - देउली में प्राची रिवर फ्रंट में अवसंरचना का विकास	2014-15	50.00 करोड़ रु.	राज्य सरकार से प्राप्त अनुरोध पर यह परियोजना 10.00 करोड़ रु. पर रोक दी गई है ।

(घ): पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पर्यटन के माध्यम से अर्जित राजस्व के आंकड़े तैयार नहीं किए जाते हैं।

*****